Title: Need to declare Sitamadhi - Dumariahat road in Bihar as National Highway.

श्री राधा मोहन ्सिंह (मोतिहारी) : उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम ्से ्भारत ्सरकार का ध्यान ्सदि्यों ्से चर्चित एक वि्ाय की ओर ले जाना चाहता हूं, जि्सकी चर्चा राम जानकी ्से ्सम्बन्धित है। राम जानकी के मार्ग की चर्चा ्सदि्यों ्से होती आई है कि जनकपुर ्से अ्योध्या का ्सरल मार्ग ्बने। अ्भी जो जनकपुर ्से अ्योध्या जाते हैं, उ्सके लिए लोग 548 किलोमीटर की दूरी त्य करते हैं, जि्समें ्से 21 किलोमीटर नेपाल के अन्दर है, 220 किलोमीटर उत्तर प्रदे्श के अन्दर है, ्ये दोनों मार्ग रा्ट्रीय राजमार्ग हैं, किन्तु ्बिहार के अन्दर जो 307 किलोमीटर की दूरी हम त्य करते हैं, ्यह काफी टेढ़ा-मेढ़ा रा्स्ता है और एक ऐतिहा्सिक मार्ग है, जि्स्से राम जानकी जनकपुर ्से अ्योध्या की ओर चले थे, जि्समें 80 किलोमीटर मार्ग ऐ्सा है, जो ्सीतामढ़ी ्से डुमरि्याघाट की ओर आता है, ्सीतामढ़ी श्ि्वहर, मधुबन, चकि्या, के्सरि्या और डुमरि्याघाट, अगर इ्सको रा्ट्रीय राजमार्ग घो्ति कि्या जाता है तो इ्स्से 100 किलोमीटर की दूरी ्भी कम हो जाती है और ्यही मुख्य मार्ग है, जि्स्से राम ज्ब जनकपुर ्से ्सीता के ्साथ लौटे थे तो इ्सी रा्स्ते ्से लौटे थे।

उपाध्यक्ष महोद्य : ्भारत ्सरकार को क्या करना है, ्वह पूछि्ये।

श्री राधा मोहन ्सिंह : मैं आपके माध्यम ्से ्भारत ्सरकार का ध्यान इ्स ओर दिलाना चाहता हूं कि इ्से रा्ट्रीय राजमार्ग घो्ति करे। â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोद्य : नहीं, जै्सा लि्स्ट में है, उ्सी तरह ्बोलेंगे, इधर के, उधर के इ्स तरह नहीं ्बोलेंगे। जै्से नोटि्स आ्ये हैं, जो नौ ्बजे आ्ये हैं, उ्स्से पहले 10 ्बजे ्वालों को चां्स नहीं मिलेगा।